नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर में पशु उत्पादकता वृद्धि हेतु आधुनिक प्रवृत्तियों का रूझान प्रशिक्षण समापन समारोह

एक साथ पहल – डॉ. जुयाल

जबलपुर। दिनांक 28 सितम्बर 2018 को नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान वि. वि., जबलपुर में श्रद्धेय डॉ. प्रयाग दत्त जुयाल, कुलपति जी के मुख्य अतिथ्य, विशिष्ट अतिथि डॉ. आर.पी.एस. बघेल, अधिष्ठाता, पशुचिकित्सा विज्ञान महाविद्यालय, जबलपुर एवं डॉ. सुनील नायक, प्रशिक्षण पाठ्यक्रम उप–समन्वयक/संचालक विस्तार शिक्षा में ''पशु उत्पादकता वृद्धि हेतु आधुनिक प्रवृत्तियों का रूझान'' विषय पर दिनांक 24–28 सितम्बर 2018 तक पांच दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन सम्पन्न हुआ। यह प्रशिक्षण राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंधन संस्थान, हैदराबाद द्वारा प्रेषित रहा। इस प्रशिक्षण में प्रदेश के 27 पशु चिकित्सा सहायक शल्याज्ञों मध्यप्रदेश शासन की सक्रिय सहभागिता रही। इस अवसर पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम उप–समन्वयक डॉ. सुनील नायक संचालक विस्तार शिक्षा द्वारा विस्तृत जानकारी के अंतर्गत संबोधित करते हुए कि इस प्रशिक्षण में 13 सैद्धांतिक प्रशिक्षण के तहत विभिन्न विषयों क्रमशः डेयरी में उन्नत तकनीकियाँ, भारत में पशुपालन के क्षेत्र में विस्तार सेवाओं का अवलोकन और स्थिति, पशु आनुवांशिक सुधार हेतु रणनीतियाँ, A-1 व A-2 दूध की अवधारणा मानव स्वास्थ्य पर प्रभाव, मिलावटी दूध की जाँच, सिक्रोनाइजेशन और निश्चित ऋतुकाल भैंस प्रजनन कि व्याधियाँ व उनका निवारण, पशुओं में उन्नत सूक्ष्मजीवों संबंधी नैदानिक तकनीकी, जैविक डेयरी पशुपालन, मध्यप्रदेश में डेयरी विकास की अपार संम्भावनायें, स्वच्छ दूध उत्पादन, डेयरी पशुओं में तनाव के निवारण की रणनीतियाँ गौ पशुओं में चय–अपाचय रोगों का आर्थिक प्रभाव पर वि.वि. के विषय वस्तु विशेषज्ञों द्वारा पावर पॉइंट प्रजेंटेशन के माध्यम से तकनीकी प्रशिक्षण दिया गया। इसके साथ ही 6 व्यावहारिक प्रशिक्षण वि.वि. में क्रमशः पशु आहार घटकों के माध्यम से दुधारू पशुओं का संतुलित आहार–पोषण, कुक्कुट सहित

विभिन्न पशुधन के लिए क्षेत्र विशेष खनिज मिश्रण तैयार करना, आधुनिक सुसज्जित पशुपोषण प्रयोगशाला में उपयोगी तकनीकीयाँ, आर्थोपेडिक शल्य चिकित्सा की नवीनतम उन्नत तकनीकियाँ, गौपशु/ महिषवंशीय वर्णशंकर सांडों की वीर्य का संचालन एवं मूल्यांकन, दुधारू पशुओं में बांझपन का उपचार डेयरी/कुक्कुट/मत्स्य उत्पादन/ उत्तम गुणवत्ता के हरे चारे का उत्पादन प्रबंधन तकनीकों का प्रदर्शन एवं संयुक्त पशुधन का शैक्षणिक भ्रमण, पशुओं में अंतःपरजीवी रोग व उनका निदान विषयों पर तकनीकी जानकारी वि.वि. के वैज्ञानिकों द्वारा प्रदान की गई।

प्रशिक्षणार्थी डॉ. अविनाश श्रीवास्तव द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान अनुभवों को साझा किया गया, इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में पशु उत्पादकता वृद्धि हेतु तकनीकी ज्ञान से अभिभूत तो हुए ही साथ ही आश्वस्त किया, वे उन्नत पशुपालन तकनीकियों को अपने–अपने क्षेत्र में जाकर अंगीकरण तथा उनके क्रियान्वयन में सक्रिय रूप से प्रयास करेंगे।

इस अवसर पर कुलपति महोदय जी ने 27 प्रशिक्षणार्थी को प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रमाण–पत्र, प्रशिक्षण पाठ्य सामग्री (सी.डी.) एवं सामूहिक छायाचित्र आदि सामग्रियों का वितरण अपने हाथों प्रदान किये। कुलपति महोदय जी ने अपने उद्‌बोधन में विचार व्यक्त करते हुये कहा कि इस विस्तार प्रशिक्षण से हमारे प्रदेश के पशुचिकित्सक लाभान्वित हुये और आशा व्यक्त की, कि वे अपने क्षेत्रों में इस प्रशिक्षण से प्राप्त तकनीकी ज्ञान, प्रौद्‌योगिकी व तकनीकी विधियों को अंगीकृत कराने में सक्रिय भूमिका निभांएगे, जिससे मध्यप्रदेश में पशुओं की उत्पादकता में निरंतर वृद्धि हो, कृषकों के आमदनी में वृद्धि हो सके, उन्होंने इस प्रकार के प्रशिक्षणों के आयोजनों पर बल दिया प्रशिक्षण कार्यक्रम को ज्ञानवर्धक एवं एक सार्थक पहल निरूपित किया।

इस अवसर पर विभिन्न विभागों के विषयवस्तु विशेषज्ञों जिन्होंने सैद्धांतिक प्रशिक्षण कार्यक्रम में सार्थक उपयोगी एवं ज्ञानवर्धक तकनीकी प्रशिक्षणों सक्रिय रूप से अपने भूमिका का निर्वहन किया की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। प्रशिक्षण समापन कार्यक्रम का संचालन डॉ. शानू सिंगौर द्वारा आभार प्रदर्शन डॉ. अनिल कुमार गौर, प्रभारी विभागाध्यक्ष, पशुचिकित्सा एवं पशुपालन विस्तार विभाग द्वारा सम्पादित किया गया।